## Regarding alleged illegal river sand mining in Jharkhand

**श्री सुदर्शन भगत (लोहरदगा):** मैं झारखंड राज्य की विभिन्न नदियों में लगातार बढ़ रहे अवैध बालू के खनन जैसे अत्यंत गंभीर मुद्दे की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

जैसे कि सरकार की जानकारी में है कि झारखंड राज्य प्राकृतिक सौंदर्य का धनी प्रान्त है, यहां के वन और यहां की जीवन दायिनी नदियों के कारण, हमारा राज्य एक अलग पहचान लिए हुए है । भरपूर प्राकृतिक संपदा हमें सबल बनाने के लिए पर्याप्त है ।

किन्तु मुझे बहुत दुख के साथ यह बताते हुए अत्यंत कष्ट हो रहा है, कि झारखंड राज्य में बालू का लगातार बढ़ रहा अवैध खनन बहुत चिंता का विषय बन गया है । पूरे राज्य में कथित रूप से खनन माफियाओं का राज है । लगातार NGT नियमों का उल्लंघन खुलेआम हो रहा है । राज्य सरकार के सम्मुख अनेकों शिकायतें रोज आ रही हैं, किन्तु अभी तक वांछित एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई हैं ।

हमारी जीवन दायिनी नदियों में लगातार हो रहे कटाव से गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं । माफियाओं के बढ़ते प्रभाव के कारण राज्य में अपराध भी बढ़ रहे हैं । राज्य नदियों के संरक्षण एवं प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए, मेरा केंद्र सरकार से निवेदन है कि इस मामले में हस्तक्षेप कर झारखंड राज्य में हो रहे अवैध बालू के खनन को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए, एक टास्क फोर्स भेजकर पूरे मामले की गहन जाँच होनी चाहिए, NGT के नियमों को तोड़ने के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए । झारखंड सरकार को इस संबंध में निर्देश जारी किए जाने चाहिएं ।